नवभारत' 15 फर. 2019

डाटा साइंस सर्वाधिक उपयोगी एवं रोजगार देने वाला विषय

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कम्प्यूटर विभाग द्वारा डाटा माईनिंग, डीप लर्निंग विषय पर तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है. तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. पीयूषकांत पाण्डेय ने बताया कि डाटा साइंस आज सर्वाधिक उपयोगी एवं सर्वाधिक रोजगार देने वाला विषय है. भारत आज सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है, आज हर व्यक्ति मोबाइल में ऑनलाइन है, वह क्या देख रहा, क्या सर्च कर रहा, डाटा के रूप में एकत्रित हो रहा है और बाजार की मांग व पूर्ति की दिशा तय कर रहा है. इसके बाद विषय विशेषज्ञ प्रो. वी वैधीसरण रायसेन कॉलेज नागपुर ने बिग डाटा विश्लेषण की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि कम्प्यूटर साइंस का सबसे चर्चित क्षेत्र बिग डाटा विश्लेषण है, कस्टमर क्या चाहता है, कब चाहता है, कैसे चाहता है, कहां चाहता है, किस मात्रा में डिमांड करता है. विश्व के हर कोने के हर कस्टमर का विश्लेषण किया जा रहा है. द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ प्रो. योगेश राठौर ने इमेज प्रोसेसिंग के बारे में विस्तार पूर्वक बताया. कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इसी प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से हटकर विषय विशेषज्ञों से विशेष विषयों की जानकारी का लाभ देना है. उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया. प्रथम व द्वितीय सत्र का संचालन आयोजक सचिव मोहित श्रीवास्तव ने किया. इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक, शोधार्थी और कम्प्यूटर साइंस के विद्यार्थी उपस्थित रहे. आज डॉ. आशा आम्भीकर व डॉ. एसपी साहू के व्याख्यान होंगे.

'हरिभूमि' 16 फर. 2019

क्लाउड कंप्यूटिंग से पर्सनल फाइल रहेंगी सुरक्षित

रायपुर। विप्र महाविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन क्लाउड कम्प्यूटिंग सॉफ्टवेयर पर चर्चा हुई। इस दौरान विषय विशेषज्ञ डॉ. आशा आम्भीकर ने क्लाउड कम्प्यूटिंग का महत्व व उसके तत्व को बताते हुए कहा, यह बेहद उपयोगी सुविधा है। इस सॉफ्टवेयर के जरिये जरूरी फाइल, म्यूजिक, वीडियो के साथ-साथ पर्सनल फाइलों को सेव कर सकते हैं। जिसे कोई किसी प्रकार से खोल नहीं सकता। कार्यशाला में विद्यार्थी आधुनिक युग के नई तकनीक व सूचना से रूबरु हुए। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी सहित एनआईटी रायपुर के डॉ. एसपी साहू, मोहित श्रीवास्तव, ज्ञानेष तिवारी सहित शोधार्थी उपस्थित रहें। कार्यशाला के अंतिम दिन हैदराबाद से डॉ. राजकुमार पात्रा व डॉ. एम वाराप्रसाद कंप्यूटर सांइस पर व्याख्यान देंगे।

'नईदुनिया' 16 फर. 2019

सॉफ्टवेयर कंप्यूटिंग व हार्ड कप्यूटिंग के बारे में दी जानकारी

रायपुर (वि)। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कंप्यूटर विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में डॉ. आशा आम्भीकर (कलिंगा विवि रायपुर) ने आधुनिक युग में ' क्लाउड कंप्यूटिंग ' के महत्व को समझाया। उन्होंने उसके तत्व, मॉडल और सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में डॉ. एसपी साहू (एनआइटी रायपुर) ने सॉफ्टवेयर कंप्यूटिंग व हार्ड कंप्यूटिंग विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सॉफ्टवेयर कंप्यूटिंग द्वारा कैसे डाटा को सर्वे, विश्लेषण और उपयुक्त बनाते हुए भविष्य में उस डाटा से उचित परिणाम प्राप्त करते हैं। प्रथम व द्वितीय सत्र का संचालन आयोजक सचिव मोहित श्रीवास्तव ने किया। 16 फरवरी को डॉ. राजकुमार पात्रा व डॉ. एम वाराप्रसाद राव (प्राध्यापक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग सीएमआर टेकनीकल कैंपस हैदराबाद) के व्याख्यान होंगे।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

पत्रिका 15 फर॰ 2017

डाटा साइंस यूजफूल और रोजगार देने वाला सब्जेक्ट

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ आज हर व्यक्ति, मोबाइल का उपयोग कर रहा है और लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव है। इस दौरान वह क्या देख रहा है, क्या सर्च कर रहा है वह सभी डाटा के रूप में स्टोर हो रहा है और मार्केट की डिमांड व पूर्ति की दिशा तय करते हुए डाटा डवलप किया जा रहा है।

अगर हम साफ शब्दों में कहें तो डाटा साइंस आज सर्वाधिक उपयोगी एवं रोजगार देने वाला विषय है। अगर हम इसे सही तरीके से समझ सकें तो इसमें भी कॅरियर बना सकते हैं। यह कहना है डॉ.पीयूषकांत पाण्डेय का।

ये बातें उन्होंने विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कम्प्यूटर विभाग द्वारा डाटा लर्निंग नेशनल कॉन्फ्रेंस में कही। यहां पर तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस पर कार्यशाला की जा रही है जिसके पहले दिन डाटा लर्निंग पर चर्चा हुई। पूर्व प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को पाठयक्रम से हटकर विशेषज्ञों से विशेष विषयों की जानकारी प्राप्त होगी।

प्रथम सत्र में प्रो. वी. वैधीसरण रायसेन कॉलेज नागपुर ने बिग डाटा विश्लेषण की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि कम्प्यूटर सांइस का सबसे चर्चित क्षेत्र बिग डाटा विश्लेषण है, कस्टमर क्या चाहता है, कब चाहता है, कैसे चाहता है, कहां चाहता है, किस मात्रा में डिमांड करता है।

इन सभी डिमांड को विश्व के हर कोने के हर कस्टमर का विश्लेषण किया जा रहा है। कार्यक्रम अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि 14 फर 2019

तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में कंप्यूटर विभाग द्वारा 14 से 16 फरवरी तक डाटा लर्निंग थ्रू-डीप लर्निंग विषय पर तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई है।

नई दुनिया 15 फर॰ 201

रोजगार के क्षेत्र में डाटा साइंस का है महत्व

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

विप्र कॉलेज में कम्प्यूटर विभाग द्वारा गुरुवार को 'डाटा लर्निंग-डीप लर्निंग' विषय पर तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को डाटा लर्निंग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही डाटा की क्या विशेषता है, इसके बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पीयूषकांत पांडेय ने बताया कि डाटा साइंस आज सर्वाधिक उपयोगी और रोजगार देने वाला विषय है। भारत की अर्थव्यवस्था आज बहुत तेजी से बढ़ रही है। आज हर व्यक्ति मोबाइल में ऑनलाइन है। वह क्या देख रहा है, क्या सर्च कर रहा है, यह सब डाटा के रूप में

विप्र कॉलेज में 'डाटा लर्निंग-लर्निंग' पर कॉन्फ्रेंस का आय

एकत्रित हो रहा है और बाजार क को पूर्ति कर रहा है। प्रो. वी. वैधीस बिग डाटा विश्लेषण की प्रक्रिया स हुए बताया कि कम्प्यूटर साइंस का चर्चित क्षेत्र बिग डाटा है। इसके क क्या चाहते हैं, कब चाहते हैं, कैसे और कितनी मात्रा में चाहते हैं। वि हर कोने में इसका विश्लेषण किया है। प्रो. योगेश राठौर ने इमेज प्रो के बारे में विस्तार से बताया। का के अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य तिवारी, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थि